देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 203 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
ठोस आधार जरूरी

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 19 नवंबर 2024

मौसम अधिकतम 25.0° न्यूनतम 17.0°

79924.77

2 तबाही के मूड में किम जोंग

7 कमजोर हो गया है जंगल का राजा

मणिपुर में कोकोमी का बड़ा प्रदर्शन

सरकारी कार्यालयों पर जड़ा ताला, अब सात जिलों में इंटरनेट निलंबित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इंफाल। मणिपुर में हिंसा और विरोध प्रदर्शन का दौर थमता नहीं दिख रहा है। जिरीबाम में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या के बाद इंफाल घाटी के लोगों में आक्रोश है। सोमवार को मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने इंफाल पश्चिम जिले में कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सरकारी कार्यालयों पर ताला जड़ दिया। उधर, मणिपुर सरकार ने प्रदेश के सात जिलों में इंटरनेट सेवा को बुधवार तक निलंबित कर दिया है।

मणिपुर के अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने लाम्फेलपत में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पर धावा बोला। इसके बाद कार्यालय के मुख्य गेट पर जंजीर बांधकर ताला लगा दिया। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने ताकील में जैव संसाधन और सतत विकास संस्थान के मुख्य कार्यालय के दरवाजे और अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय के गेट पर भी ताला जड़ दिया। अधिकारियों का कहना है कि संदिग्ध आतंकियों पर जिरीबाम जिले में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या का आरोप है। इसी घटना के विरोध में कोकोमी विरोध प्रदर्शन कर रहा है। संगठन ने सरकार से न्याय की मांग की।

कोकोमी संगठन कुकी जो हमार उग्रवादियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की मांग कर रहा है। इंफाल के ख्वाइरामबंद बाजार में पिछले तीन दिन से संगठन का धरना प्रदर्शन जारी है। विरोध प्रदर्शन में शामिल फिल्मी हस्ती लाइमायम सुरजकांता ने कहा, हम जिरीबाम में कुकी जो हमार उग्रवादियों द्वारा तीन महिलाओं और तीन बच्चों की बर्बर हत्या को बर्दाश्त नहीं करेंगे। केंद्र सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए।

बता दें कि मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति मेइतेई समुदाय का संगठन है। यह जातीय समूह इंफाल घाटी में बहुल है। इंफाल घाटी में कुल पांच जिले आते हैं। मणिपुर में 11 नवंबर को जिरीबाम जिले के एक शिविर से छह लोग लापता हो गए थे। इसके बाद शुक्रवार को जिरी नदी में तीन लोगों के शव मिले थे।

अमित शाह ने लगातार दूसरे दिन की हाई लेवल मीटिंग

मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लगातार दूसरे दिन अधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग की। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और सुरक्षा बलों और राज्य की एजेंसियों से शांति व्यवस्था कायम रखने के निर्देश दिए। शाह ने राज्य में सुरक्षा के लिए केंद्रीय पुलिस बलों की 50 अतिरिक्त कंपनियां भेजी हैं। केंद्र में सुरक्षा तंत्र से जुड़े सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने रविवार के बाद सोमवार को भी यहां लंबी बैठक में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने केन्द्रीय पुलिस बलों तथा राज्य पुलिस से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने और शांति बहाली के कदम उठाने को कहा।

इंफाल घाटी में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू

कानून व्यवस्था के मद्देनजर इंफाल घाटी के इंफाल पूर्व और पश्चिम, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लागू किया गया है। प्रशासन ने इंटरनेट पर पाबंदी दो अन्य जिलों कांगपोकपी और चुराचांदपुर में बढ़ा दी है। अब कुल सात जिलों में 20 नवंबर को शाम सवा पांच बजे तक इंटरनेट सेवा निलंबित रहेगी। पिछले साल मई में इंफाल घाटी में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ों पर रहने वाले कुकी लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़की थी। अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के सेफ वाले बयान पर बीजेपी ने कसा तंज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का आज आखिरी दिन था। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन तमाम राजनीतिक दलों ने जोर शोर से प्रचार किया। राहुल गांधी के आरोप के बाद बीजेपी ने भी एक कांग्रेस पर निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि इस तरह की रणनीति और ड्रामा से भरा बयानबाजी शीर्ष संवैधानिक पद पर बैठे नेता को शोभा नहीं देती।

लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल अमेरिका में गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज वॉशिंगटन। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, अनमोल को कैलिफोर्निया में हिरासत में लिया गया। मुंबई पुलिस ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस के छोटे भाई के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका को प्रस्ताव भेजा था। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया था कि अनमोल बिश्नोई उनके देश में मौजूद है।

जाति जनगणना के आंकड़े जारी नहीं करना हमारी चूक

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रांची में की प्रेस कॉन्फ्रेंस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रांची। कांग्रेस के स्टार प्रचारक और लोकसभा में नेता राहुल गांधी ने 2011 में यूपीए शासन के दौरान जाति जनगणना को लागू न करने को लेकर अपनी सरकार की भूल स्वीकार की। उन्होंने कहा कि 10 साल के यूपीए सरकार में जाति जनगणना को लागू न करना हमारी गलती थी, झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर जातिगत जनजगणना कराएंगे। इसके लिए पहले से ही एक ब्लूपिंट भी तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा की ओर से फैलाए गए नफरत के माहौल को कांग्रेस खत्म करेगी। भाजपा ने समाज में नफरत फैलाई है, कांग्रेस पार्टी इसे समाप्त करेगी और आरक्षण के बैरियर को भी खत्म करेंगे। राहुल गांधी चुनाव प्रचार के अंतिम दिन रांची में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस शासित राज्यों में अंबानी को निवेश के लिए आमंत्रित करने के एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि वो अंडानी–अंबानी, टाटा या किसी बिजनेसमैन के खिलाफ है। उन्होंने कहा– किसी काम को करने के लिए सही प्रक्रिया का पालन करना और उसे तोड़ना दो अलग चीजें हैं। मुंबई एयरपोर्ट को मैनेज करने वाली संस्था पर सीबीआई जांच होती है, ईडी और आईटी का दबाव होता है। उसे डराया–धमकाया जाता है और फिर उनसे एयरपोर्ट छीनकर अडानी को दे दिया जाता है।

राहुल गांधी ने कहा– देश के पोर्ट, एयरपोर्ट, डिफेंस इंडस्ट्री एक ही व्यक्ति को सौंप दिए जाते हैं। ये ड्यू प्रोसेस यानी सही प्रक्रिया नहीं है, ये चोरी है। मणिपुर में हिंसा रोकने के लिए हमारा सरकार को पूरा समर्थन है, लेकिन सरकार हिंसा नहीं रोक रही है। पीएम मोदी ने एक बार भी राज्य का दौरा नहीं किया।

'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' के नारे का उड़ाया मजाक

राहुल गांधी ने कहा– 'पीएम मोदी ने देश की संपत्ति चंद अरबपतियों को सौंप दी, वह धारावी की एक लाख करोड़ रुपये की जमीन उद्योगपतियों को देना चाहते हैं।' राहुल गांधी ने भाजपा के 'एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' नारे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा–' अगर मोदी, शाह, अंबानी 'एक' हैं तो वे 'सेफ' हैं।

सचिवों की गैर मौजूदगी पर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी सख्त

संवाददाता

देहरादून। सशक्त उत्तराखण्ड @ 25 से सम्बन्धित बैठक सहित सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित सभी महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों में सचिव स्तर के अधिकारियों की गैर मौजूदगी तथा बैठकों को गम्भीरता से ना लेने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने बैठकों में सचिवों की अनिवार्यतः उपस्थिति हेतु निर्देश जारी किए हैं। सीएस राधा रतूड़ी ने भविष्य में सभी महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकों में अपेक्षित सचिवों के अनुपस्थिति पर उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठकों में अपेक्षित सचिवों द्वारा अपने स्थान पर अपर सचिव या अन्य अधीनस्थ अधिकारियों को भेजने की प्रवृति व गैर जिम्मेदाराना रवैये पर मुख्य सचिव ने सोमवार को सचिवालय में सशक्त उत्तराखण्ड @25 से सम्बन्धित तकनीकी समीक्षा समिति की बैठक में अनुपस्थित रहे सभी सचिवों को अपने कार्यालय में तलब कर कड़ी फटकार लगाई तथा भविष्य हेतु अपेक्षित बैठकों में अनिवार्य उपस्थिति के लिए निर्देश जारी किए। उन्होंने कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन की प्राथमिकता के आधार पर समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

निर्देश

■सचिव स्तर के अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति को निर्देश जारी

भविष्य की कार्ययोजना पर तेजी लाने के निर्देश

मुख्य सचिव ने विभागों को निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए धरातल पर कार्य करने के साथ भविष्य की कार्ययोजना पर तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सभी विभागाध्यक्ष अवशेष समय में विकास के सभी लक्ष्य पूरा करेंगे। सभी कार्ययोजनाओं को पूरे मनोयोग के साथ धरातल पर उतारा जाए।

मीलॉर्ड! 10वीं–12वीं के बच्चों के फेफड़े अलग हैं क्या

■ वायु गुणवत्ता से संबंधित याचिकाओं पर सुको में हुई सुनवाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के एनसीआर इलाके में बढ़ते प्रदूषण और खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। इस दौरान एक याचिकाकर्ता ने 10वीं और 12वीं कक्षा को छोड़कर सभी छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने के दिल्ली सरकार के फैसले पर सवाल उठाया। और पूछा कि क्या इन दो वर्गों में पढ़ने वाले छात्रों के फेफड़े दूसरों से अलग हैं? सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने जस्टिस एएस ओका और जस्टिस एजी मसीह की पीठ से कहा, हुजूर, 10वीं और 12वीं के छात्रों के फेफड़े अन्य छात्रों से अलग नहीं हो सकते, इसलिए उनकी भी फिजिकल क्लासेज को रोकने के आदेश दिए जाने चाहिए।

एडवोकेट शंकरनारायणन की दलील पर पीठ ने तुरंत दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र के सभी राज्यों को बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर 12वीं तक सभी कक्षा की शारीरिक कक्षाएं बंद करने के लिए तत्काल निर्णय लेने का आदेश दिया।

न्यूज डायरी

सऊदी अरब में 100 से ज्यादा विदेशियों को दी गई फांसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सऊदी अरब में इस साल 100 से अधिक विदेशियों को फांसी दी गई है। समाचार एजेंसी एएफपी ने एक मानवाधिकार संगठन के हवाले से यह जानकारी दी है। पिछले तीन सालों की तुलना में यह आंकड़ा लगभग तीन गुना अधिक है। दक्षिण–पश्चिमी क्षेत्र नजरान में एक यमनी नागरिक को ड्रग्स की तस्करी के आरोप में फांसी दी गई। इसे बाद इस साल फांसी की सजा पाए विदेशियों की कुल संख्या 101 हो गई है। साल 2022 और 2023 में 34 विदेशी नागरिकों को सऊदी अरब ने फांसी की सजा दी है। यूरोपियन–सऊदी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स, के कानूनी निदेशक ताहा अल–हज्जी ने बताया कि यह पहली बार है जब सऊदी अरब ने एक वर्ष में इतने अधिक विदेशियों को फांसी दी है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार फांसी देने के मामले में चीन और ईरान के बाद सऊदी अरब तीसरे नंबर पर है। फांसी पाने वाले विदेशी नागरिकों में पाकिस्तान, यमन, सीरिया, नाइजीरिया, मिस्र, जॉर्डन और इथियोपिया के नागरिक शामिल हैं। पाकिस्तान से 21, यमन से 20, सीरिया से 14, नाइजीरिया से 10, मिस्र से नौ, जॉर्डन से आठ और इथियोपिया से सात शामिल हैं। सूडान, भारत और अफगानिस्तान से तीन–तीन और श्रीलंका, इरिट्रिया और फिलीपींस से एक–एक व्यक्ति को फांसी दी गई। राजनयिकों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि विदेशी प्रतिवादियों की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो पाती।

अब खालिस्तानियों को न्यूजीलैंड की सरकार ने झटका दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड में खालिस्तानियों को एक बड़ा झटका लगा है। ऑकलैंड में आयोजित एक विवादास्पद कथित खालिस्तान जनमतसंग्रह के बाद न्यूजीलैंड की सरकार ने बड़ा बयान दिया है। न्यूजीलैंड की सरकार ने भारत की श्संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडताश का सम्मान करने और मान्यता देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। सिख फॉर जस्टिस की ओर से यह जनमत संग्रह आयोजित किया गया था। सिख फॉर जस्टिस भारत में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत बैन संगठन है। भारत में एनआईए और राज्य पुलिस बलों ने खासतौर से पंजाब म एसएफजे सदस्यों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह तथाकथित जनमत संग्रह से अवगत हैं। उन्होंने आगे कहा कि न्यूजीलैंड दुनिया में मानवाधिकारों का एक मजबूत समर्थक है। हालांकि, यह सुनिश्चित होना चाहिए कि ऐसी कोई भी पहल वैध और शांतिपूर्ण हो। एसएफजे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, और यूके समेत अन्य देशों में इसी तरह जनमत संग्रह कराता रहा है। न्यूजीलैंड में हुए इस कथित जनमत संग्रह को पाकिस्तान की मीडिया की ओर से व्यापक कवरेज किया गया था। इस कार्यक्रम को कवर करने के लिए पाकिस्तानी मीडिया का एक रिपोर्टर भी मौजूद रहा। कई खालिस्तान समर्थकों के साथ उसने इंटरव्यू भी लिया। पाकिस्तान लगातार भारत को तोड़ने वाली ताकतों को समर्थन देता रहा है।

लेबनान में इजरायल का कहर जारी, मारा गया हिजबुल्लाह का मीडिया प्रमुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अविस। हिजबुल्लाह पर इजरायल लगातार हमले कर रहा है। हर रोज इजरायल की सेना हिजबुल्लाह को बड़ा नुकसान पहुंचा रही है। अब लेबनान की राजधानी बेरूत में इजरायली हमले में हिजबुल्लाह के मीडिया संबंध प्रमुख मोहम्मद अफीफ की मौत हो गई। हिजबुल्लाह ने मोहम्मद अफीफ की मौत की पुष्टि की है। मध्य बेरूत में सीरियाई बाथ पार्टी के मुख्यालय पर आईडीएफ के हमले में अफीफ की मौत हो गई। इजरायल ने अभी तक हिजबुल्लाह के प्रवक्ता की हत्या की पुष्टि नहीं की है। अल जजीरा के अनुसार, अफीफ ने हिजबुल्लाह के लिए कई प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, जिसमें इजरायली बमबारी के बारे में जानकारी दी गई। अफीफ ने सशस्त्र समूह के शीर्ष मीडिया संबंध अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने से पहले कई वर्षों तक हिजबुल्लाह के अल–मनार टेलीविजन स्टेशन का प्रबंधन किया। अफीफ ने हाल ही में पत्रकारों को दिए गए अपने बयान में कहा था कि हिजबुल्लाह के पास इजरायल के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ने के लिए पर्याप्त हथियार हैं। अफीफ की हत्या इजरायल के हिजबुल्लाह नेतृत्व को खत्म करने के लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है।

कनाडा में खराब तत्वों ने लोगों को लूटा, हमसे गलतियां हुई

घर में घिरते जा रहे जस्टिन ट्रूडो ने क्यों पेश दी सफाई

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ओटावा। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने देश की इमिग्रेशन से जुड़ी नीति में बदलाल की वजह पर बात की है। उन्होंने माना कि इस संबध में उनकी सरकार से बीते वर्षों में कुछ गलतियां हुईं और इमिग्रेशन पॉली का गलत लोगों ने इस्तेमाल किया। ऐसे में इस नीति में बदलाव की जरूरत थी, इसलिए इसमें कुछ चेंज किए गए हैं। ट्रूडो ने रविवार करीब सात मिनट का वीडियो जारी बताया कि कैसे इमिग्रेशन पॉलिसी का इस्तेमाल कुछ लोगों ने कमजोरों का शोषण करने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे तत्व हैं, जो नौकरियों, डिप्लोमा और नागरिकता के आसान रास्ते का वादा करके कमजोर आप्रवासियों को लक्षित करते हैं। ये वादे कभी पूरे नहीं होते और लोग शोषण का शिकार होते हैं।

ट्रूडो ने कहा कि, नई इमिग्रेशन नीति में अगले तीन वर्षों में कनाडा में प्रवेश करने वाले स्थायी और अस्थायी दोनों निवासियों की संख्या में कटौती का फैसला लिया गया है। दरअसल, आव्रजन प्रणाली श्रमिकों और छात्रों को लाने के लिए डिजाइन की गई थी लेकिन अब यह साफ है कि कुछ लोगों ने अपने फायदे के लिए इसका दुरुपयोग किया। बहुत से कॉलेजों और विश्वविद्यालयों ने भी अपनी कमाई के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्रों का इस्तेमाल किया है।श ट्रूडो का ये बयान ऐसे समय आया है, जब उनकी सरकार इमिग्रेशन के मुद्दे पर घिरी हुई है। ट्रूडो की चिंता ये है कि कनाडा में अगले साल चुनाव होना है और फिलहाल तमाम सर्वे में उनका पार्टी विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी से पीछे चल रही है।

ट्रूडो ने कहा कि स्थायी विदेशी कर्मचारी हमारे कार्यबल का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हम उनको अनदेखा नहीं कर सकते हैं। व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्र श्रमिकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक रहे हैं लेकिन देश की आवास, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सेवाओं में उस तरह की रफ्तार नहीं है। ऐसे में नई इमिग्रेशन सीमा का उद्देश्य अर्थव्यवस्था और समुदायों को समायोजित करने के लिए कुछ समय देना है।

ट्रूडो ने कहा कि यह ठहराव हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे समुदायों को लाखों और घर बनाने की हमारी योजना जैसी चीजों को पकड़ने का मौका देगा। ट्रूडो ने बताया कि कैसे अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर सीमा तय करने से टोरंटो और वैंकूवर जैसे प्रमुख शहरों में किराये की कीमतें घटने लगी हैं। ट्रूडो ने जोर देते हुए कि आव्रजन परिवर्तन का उद्देश्य सिस्टम को नए लोगों और कनाडाई, दोनों के लिए काम करना है। कनाडा की नई इमिग्रेशन नीति 2025–2027 के लिए नई आव्रजन स्तर योजना इन समायोजनों को दर्शाती है, जिसमें स्थायी निवासियों की संख्या में 21 प्रतिशत की कमी होगी। 2025 में स्थायी निवासियों का लक्ष्य 500,000 से घटाकर 395,000 कर दिया गया है।

ईरान के अगले सुप्रीम लीडर होंगे मोजतबा ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। इजरायल से ईरान के बढ़ते तनाव के बीच ईरान की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई कोमा में चले गए हैं और श्गंभीर रूप से बीमारश्हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अचानक बेटे को अपना उत्तराधिकारी चुन पूरी दुनिया को चौंका दिया है। खामेनेई ने अपने बेटे मोजतबा को अपनी गद्दी सौंपी है। हालांकि अभी तक ईरान की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि यह बात ईरान इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट में सामने आई है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि अधिकारियों ने पिछले महीने एक सीक्रेट मीटिंग के दौरान खामेनेई के उत्तराधिकारी का चुनाव किया। खामेनेई के एक्स अकाउंट पर एक फोटो पोस्ट की गई है। फोटो में वह लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी से उनके कार्यालय में बात करते नजर आ रहे हैं। फारसी में लिखा है, इस्लामिक क्रांति के नेता अयातुल्ला खामेनेई ने लेबनान में ईरान के इस्लामी गणराज्य के अनुभवी राजदूत मोजतबा अमानी से मुलाकात की और दैनिक बैठकों के मौके पर उनसे बातचीत की। मोजतबा खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के दूसरे और छोटे बेटे हैं।

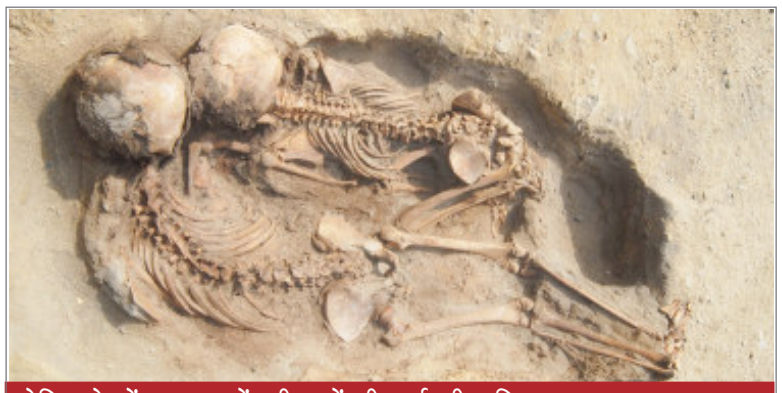

मेक्सिको में 42 बच्चों की क्यों दी गई थी बलि ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मैक्सिको सिटी। इंसानी इतिहास खतरनाक कहानियों से भरा है। उन्हीं में से एक भयावह अध्याय मेक्सिको का है। यहां बच्चों की 15वीं सदी में सामूहिक बलि दी गई थी। पुरातत्वविदों ने सामूहिक बलि के मामले में नई अंतर्दृष्टि उजागर की है। पिछले सप्ताह मेक्सिको के नेशनल कॉलेज में प्रस्तुत शोध के मुताबिक इस घटना को बारिश के देवता ट्लालोक के लिए एक भेंट के तौर पर माना जाता है। 1452 से 1454 के बीच मेक्सिको में एक विनाशकारी सूखा देखने को मिला था। 1980 और 1981 में वर्तमान की मेक्सिको सिटी के एक मंदिर में 2–7 साल की उम्र के कम से कम 42 बच्चों के कंकाल के अवशेष मिले थे। रेत की परत पर राख के बक्से में बच्चों के शरीर थे। उनमें से कुछ के मुंह में हार और पत्थर के मोती थे। उनके अंग सिकुड़े हुए थे।

क्या ब्राजील में होगी पीएम मोदी और शी चिनफिंग की मुलाकात ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में सुधार की काफी गुंजाइश

बीजिंग। जी–20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग रविवार को ब्राजील पहुंचे। चीनी राष्ट्रपति से पहले पीएम मोदी का ब्राजील में आगमन हो चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक बयान में शी ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को और बढ़ाने पर ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ विचारों के आदान–प्रदान के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। रूस में ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की बैठक हुई थी। जानकारी के मुताबिक, बैठक में आर्थिक विकास, जलवायु संकट और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर चर्चा की जाएगी। एशिया की दो शक्तिशाली देशों के राष्ट्राध्यक्ष के मुलाकात पर दुनिया की नजर रहेगी। भारत–चीन व्यापार 2022 में 135 अरब डॉलर का आंकड़ा छू चुका है। दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी में सुधार की काफी गुंजाइश है।

एलएसी को लेकर दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में कहा था कि अंतिम दौर की सैन्य वापसी के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में कुछ सुधार की उम्मीद करना उचित है, लेकिन यह कहने से संकोच किया कि महज इस कदम से दोनों पड़ोसी देशों के बीच रिश्ते अपने पुराने स्वरूप में लौट सकते हैं।

विदेश मंत्री ने कार्यक्रम में कहा था कि मैं सेनाओं के पीछे हटने को बस उनके पीछे हटने के रूप में देखता हूं, न उससे कुछ ज्यादा और न कुछ कम। बता दें कि दोनों पक्षों ने करीब साढ़े चार साल के अंतराल के बाद सीमा पर अपनी–अपनी गश्ती गतिविधियां भी शुरू कीं। जी–20 शिखर सम्मेलन के लिए शासनाध्यक्ष रियो डि जेनेरियो पहुंचना शुरू हो गए। इस सम्मेलन में दो दिन गरीबी व भुखमरी से लेकर वैश्विक संस्थानों में सुधार तक के मुद्दों से निपटने पर विचार–विमर्श होगा।

रूस–यूक्रेन युद्ध को और बढ़ाने पर तुला यूएस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मनौस। रूस–यूक्रेन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है और अब अमेरिका के एक कदम से दोनों देशों में और खून–खराबा होने वाला है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को रूस के अंदर गहराई तक हमला करने के लिए अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। अब इससे हथियारों पर प्रतिबंधों में ढील दी गई है। एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि रूस अपने युद्ध को मजबूत करने के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात कर रहा है। कीव को रूस के अंदर दूर तक हमलों के लिए आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम या एटीएसीएम का उपयोग करने की अनुमति देने का निर्णय ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन की उत्तरी सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात किया है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

निर्वाचन प्रक्रिया को आपसी समन्वय एवं निष्पक्ष ढंग से संपादित कराने के निर्देश

निर्देश

जिला निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में 7 पोलिंग पार्टियों अपने गंतव्य के लिए रवाना

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन को सुव्यवस्थित, सफलतापूर्वक एवं निष्पक्ष ढंग से संपादित कराने के लिए दूरस्थ क्षेत्र की 07 पैदल पोलिंग पार्टियों को अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान से जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहवार की देखरेख में उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने रवाना की गई पोलिंग पार्टियों को निष्पक्ष, पारदर्शिता एवं कुशलता निर्वाचन को संपादित कराने के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने सभी कार्मिकों से निर्वाचन प्रक्रिया को आपसी समन्वय एवं निष्पक्ष ढंग से संपादित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी 07–केदारनाथध्उप जिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र की पोलिंग पार्टियां जिला निर्वाचन अधिकारी की देखरेख में रवाना की गई हैं तथा 166 पालिंग पार्टियां कल निर्वाचन प्रक्रिया को

संपादित कराने के लिए उनके गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सबसे पैदल दूरी वाला मतदान केंद्र राजकीय प्राथमिक विद्यालय गौंडार है जिसकी सड़क मार्ग से पैदल दूरी 06 किमी है।

इसके बाद राजकीय प्राथमिक विद्यालय तोषी जिसकी सड़क मार्ग से पैदल दूरी 05 किमी है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय चिलौंड एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय ब्यूंखी जिसकी सड़क मार्ग से पैदल दूरी 04 किमी है तथा राजकीय प्राथमिक विद्यज्ञलय जग्गी बग्वान, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बेडूला, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुणजेठी की सड़क मार्ग से पैदल दूरी 03 किमी है।

इन सभी 07 पोलिंग पार्टियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन ने अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान पहुंचकर निर्वाचन कार्यों में तैनात किए गए कार्मिकों द्वारा पोस्टल बैलेट के माध्यम से दिए जा रहे मतदान का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में लगे सभी कार्मिकों का मतदान सुनिश्चित हो। नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट राहुल चौबे ने अवगत कराया है कि निर्वाचन कार्यों में तैनात किए गए कार्मिकों द्वारा दोपहर तक लगभग 52 कार्मिकों द्वारा पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया गया है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी/नोडल अधिकारी कार्मिक डॉ. जीएस खाती एवं अपर जिलाधिकारीध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी धीरज कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नेताजी संघर्ष समिति ने क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त की जयंती पर उन्हें याद किया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आज अपने कार्यालय कांवली रोड पर महान क्रांतिकारी स्वर्गीय बटुकेश्वर दत्त की जयंती पर उन्हें याद किया। इस मौके पर बोलते हुए समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि बटुकेश्वर दत्त का जन्म 18 नवंबर 1910 में बंगाल में हुआ था बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना व्याप्त थी। वह भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जी के संपर्क में आकर देश की आजादी के आंदोलन में कूद गए थे। भगत सिंह जी और बटुकेश्वर दत्त ने असेंबली में बम भी फेंका था। बटुकेश्वर दत्त आजादी के आंदोलन में पहली पंक्ति में रहे देश सदैव उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद करता रहेगा। बटुकेश्वर दत्त को याद करने वालों में आरिफ वारसी, सुशील विरवानी, प्रभात डंडरियाल,प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल, अतुल शर्मा, पारस यादव, आदि शामिल रहे।

तीन माह से खराब सड़क का जल्द हो निर्माण

संवाददाता हल्द्वानी। तीन माह से टूटी सड़क ठीक नहीं होने पर परेशान ग्रामीणों ने सोमवार को मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। एसडीएम के माध्यम से भेजे ज्ञापन में कहा है कि लंबा समय बीतने के बाद भी शासन और लोनिवि सड़क सुधारीकरण नहीं शुरू कर सके हैं। इससे गौलापार और चोरगलिया के ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के लगातार धंसने से यहां से गुजरने पर हादसे का खतरा रहता है। कहा कि लगातार मांग के बाद भी समाधान नहीं किया जा रहा है। जल्द कार्यवाही नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। इस दौरान नीरज रैक्वाल, अर्जुन बिष्ट, हीरा सिंह बिष्ट, मनोज रावत, लीला बिष्ट, रमा मेहता आदि मौजूद रहे।

दिव्य भजन संध्या से ईश्वर दर्शन के मार्मिक सन्देश का किया गया प्रसारण

संवाददाता देहरादून। दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की दिव्य अनुकंपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा एनसीयूआई ऑडिटोरियम और कन्वेंशन सेंटर, अगस्त क्रांति मार्ग, हौज खास, नई दिल्ली में दिव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। गुरुदेव के प्रबुद्ध शिष्यों द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण भजनों की श्रृंखला ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिक रस से भिगो दिया। साध्वी परमा भारती ने भजनों के मर्म को उजागर करते हुए समस्त शास्त्र–ग्रंथों में उद्घोषित मानव जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बखूबी समझाया कि सफलता की अंधी दौड़ में मनुष्य मन की शांति को खोता जा रहा है। धन और सफलता द्वारा अर्जित सांसारिक सुख अस्थायी होता है।

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर यूट्यूबर से मांगी दो करोड़ की रंगदारी

संवाददाता हल्द्वानी। यूट्यूबर सौरभ जोशी से लॉरेंस विश्नोई के नाम पर दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। उनके घर पर पत्र भेजकर कहा गया है कि दो करोड़ रुपये नहीं दिए तो परिवार के एक सदस्य को जान की कीमत चुकानी पड़ेगी।

यूट्यबर सौरभ जोशी ने पुलिस को बताया है कि वह हल्द्वानी की ओलिविया कालोनी रामपुर रोड का निवासी है। उन्हें किसी अज्ञात व्यक्ति की ओर से एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ है। इस पत्र में मेरे और मेरे परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी गई है।

पत्र में धमकी भरे लहजे में आगे लिखा गया– यदि आपने कोई भी जवाब नहीं दिया या फिर पुलिस में शिकायत करने की कोशिश की या इस बात को अपने परिवार के अलावा किसी अन्य व्यक्ति से साझा किया तो आपके परिवार से एक सदस्य कम हो जाएगा। हम आपके जवाब का इंतजार करेंगे और दुआ करेंगे कि आप सही फैसला लें। क्योंकि एक भी गलत कदम आपके परिवार की जान ले सकता है, यदि आपको हमसे बात करनी हो तो हम आपको हमारा इंस्टाग्राम आईडी दे रहे है। जिसे हमारी गैंग ऑपरेट करती है। आइडी भी दी है। अंत में जय महाकाल लिखा है।

सौरभ का कहना है कि इस धमकी से वह अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात पर धमकी व रंगदारी मांगने की धारा में प्राथमिकी कर जांच की जा रही है।

एसडीएम सदर ने लिया आईसीयू का जायजा

संवाददाता ऋषिकेश। कोरोना काल में ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल में अस्तित्व में आया 10 बेड के आईसीयू की सेवा फिर से बहाल हो गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल के कड़े निर्देश के बाद आखिर स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में आईसीयू को संचालित कर दिया है, जिसमें फिलहाल पांच मरीजों को भर्ती भी किया गया है। आईसीयू में बेहतर स्वास्थ्य सेवा का दावा अस्पताल प्रशासन ने किया है। देहरादून के एसडीएम सदर हर गिरि सोमवार को डीएम के निर्देश पर सीएमओ डॉ. संजय जैन के साथ आईसीयू की निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने आईसीयू का जायजा लेते हुए यहां भर्ती मरीजों से सेवा का फीडबैक भी लिया। सीएमएस डॉ. प्रदीप कुमार चंदोला को आईसीयू की व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने को दिशा–निर्देश भी दिए। बताया कि हाल ही में डीएम सविन बंसल ने सरकारी अस्पताल में आईसीयू सेवा को बहाल करने के आदेश दिए थे, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को 15 दिन का अल्टीमेटम भी दिया था।

मतगणना कार्य को तैनात किए 103 मतगणना कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

■प्रशिक्षण को सभी कार्मिक गंभीरता से ग्रहण करें: मास्टर ट्रेनर

रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन 2024 की मतगणना को सुव्यवस्थित एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में ईवीएम से मतगणना एवं पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतगणना हेतु तैनात किए गए 103 कार्मिकों को विकास खंड सभागार अगस्त्यमुनि में मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतगणना का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया।

ईवीएम की मतगणना हेतु 17 मतगणना सुपरवाईजर, 18 मतगणना सहायक तथा 20 माइक्रो ऑब्जर्वर इसके साथ ही पोस्टल बैलेट की मतगणना हेतु 12 मतगणना सुपरवाईजर, 24 मतगणना सहायक, 12 माइक्रो ऑब्जर्वर रिजर्व सहित तैनात किए गए हैं।

इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने उपस्थित कार्मिकों से कहा कि उन्हें जो मतगणना हेतु प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है उस प्रशिक्षण को सभी कार्मिक गंभीरता से ग्रहण करें तथा किसी भी शंका एवं समस्या के लिए प्रशिक्षण के दौरान ही इसका समाधान कर लिया जाए ताकि मतगणना के समय किसी भी प्रकार की कोई समस्या एवं परेशानी न होने पाए।

उन्होंने सभी कार्मिकों से कहा कि ईवीएम की गणना से फॉर्म 17ए एवं 17सी से ठीक तरह से मिलान कर लें तथा उपस्थित अभिकर्ताओं को भी ईवीएम पर पड़े वोटों को भी उन्हें ठीक ढंग से दिखा दें ताकि किसी भी अभिकर्ता को किसी भी प्रकार की कोई शंका या समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि ईवीएम एवं पोस्टल बैलेट की मतगणना को सभी कार्मिक संवेदनशीलता के साथ गणना करें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई जल्दबाजी न की जाए।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट राहुल चौबे ने भी पोस्टल बैलेट की मतगणना को सावधानीपूर्वक से करने को कहा। इसमें किसी भी प्रकार की कोई जल्दबाजी न करें तथा सावधानीपूर्वक पोस्टल बैलेट मतों की गणना करें।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम विरोध के बाद बैरंग लौटी

संवाददाता पथरी। पथरी क्षेत्र के गांव नूरपुर पंजनहेड़ी में एक ग्राम समाज की भूमि पर अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व विभाग की टीम को विरोध में बाद बैरंग लौटना पड़ा। मौके पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष और ग्राम प्रधान ने अतिक्रमण हटाने का विरोध किया। पुलिस फोर्स कम होने और विरोध के बाद टीम बिना कार्रवाई किए लौट गई। सोमवार को तहसीलदार प्रियंका रानी के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ग्राम नूरपुर पंजनहेड़ी में खाली पड़ी एक ग्राम समाज से अतिक्रमण हटाने पहुंची। आरोप है कि भूमि पर ग्राम प्रधान ने कब्जा कर अतिक्रमण किया हुआ है। मामले की ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कमेंद्र सिंह को पूर्व में शिकायत की हुई है। डीएम के आदेश अनुसार राजस्व विभाग की टीम नूरपुर पंजनहेड़ी भूमि पर हुए अतिक्रमण को ध्वस्त करने सोमवार को पहुंची।

जय श्री शनि देव महरादुनिया में हर इंसान अलग है, इसलिए जो जैसा है उसे वैसा स्वीकार करना सीखें।
–अज्ञात

विचार-प्रवाह
देहरादून, मंगलवार, 19 नवंबर 2024
पेज थ्री
www.page3news.in

ठोस आधार जरूरी

जहां तक धर्मनिरपेक्षता की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि यह संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। ऐसे में इसके उल्लंघन के किसी भी मामले को अदालतें गंभीरता से लेंगी। दोनों ही अदालतों ने ऐसा किया।

अनुज श्रीवास्तव।।

यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट, 2004 से जुड़े एक मामले में मंगलवार को आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला न केवल इस कानून की संवैधानिकता की पुष्टि करता है बल्कि यह भी बताता है कि शिक्षा और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को कितनी बारीकी और संवेदनशीलता के साथ देखा जाना चाहिए।

दिलचस्प है कि मार्च 2022 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस कानून को मुख्य रूप से इस आधार पर असंवैधानिक करार दिया था कि यह धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ है, जो कि संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। हाईकोर्ट का यह भी कहना था कि यह कानून न्ळब् एक्ट 1956 के खिलाफ है, जो कि एक संघीय कानून है। सुप्रीम कोर्ट की नजर की बारीकी इस तथ्य में देखी जा सकती है कि उसके ताजा फैसले में इन दोनों तर्कों के औचित्य को मानते हुए उसे लागू करने के तरीकों से जुड़ी गलतियां स्पष्ट की गई हैं। सर्वोच्च अदालत यूजीसी एक्ट से जुड़ी आपत्तियों को ध्यान में रखती है, लेकिन इतनी व्यवस्था करना पर्याप्त समझती है कि मदरसे हायर एजुकेशन से जुड़ी डिग्रियां नहीं दे सकते।

जहां तक धर्मनिरपेक्षता की बात है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि यह संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। ऐसे में इसके उल्लंघन के किसी भी मामले को अदालतें गंभीरता से लेंगी। दोनों ही अदालतों ने ऐसा किया। अंतर यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने किसी कानून की संवैधानिकता को चुनौती देने के लिहाज से धर्मनिरपेक्षता के कथित उल्लंघन को पर्याप्त रूप से ठोस आधार नहीं माना। उसके मुताबिक यह भी देखना होगा कि वह कानून धर्मनिरपेक्षता से जुड़ी संविधान की किस धारा का उल्लंघन करता है।

सुप्रीम कोर्ट को इस बात का अहसास था कि इस आदेश का प्रभाव न सिर्फ यूपी बल्कि पूरे देश के अल्पसंख्यक संस्थानों से जुड़े मामलों पर होगा। इसलिए उसने यह साफ करने में कोई कमी नहीं रखी कि अल्पसंख्यक समुदायों को अपने संस्थान चलाने का अधिकार है तो राज्य को भी उन संस्थानों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का अधिकार है। इस संबंध में यूपी सरकार का रुख भी गौर करने लायक है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के फैसले को उसने स्वीकार जरूर कर लिया था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उसके रुख से सहमत थी। उसने भी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के रुख से अपनी सहमति दर्ज कराई।

कुल मिलाकर देखें तो इस मामले में जहां सेकुलर मूल्यों की अहमियत रेखांकित हुई है, वहीं उन्हें सुनिश्चित करने के तरीकों में बरती जाने वाली सावधानी की जरूरत भी स्पष्ट हुई।

कीमत

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। उसके बाद से सेठ और सेठानी अपने मन में काफी ज्यादा दुख लेते हुए रह रहे थे। सेठ और सेठानी दोनों सोच रहे थे कि मैं कितना बड़ा गुनाहगार हूं कि मैं भगवान श्री गणेश जी को अपने घर में नौकर रखा हूं। इसके बाद बहुत दिन मतलब कि 1 सप्ताह कुछ खाने पीने नहीं लगा था जिससे दोनों की सेहत खराब हो चुकी थी। 1 दिन से एक ने सपने में आता है और कहता है कि आपकी कोई गलती नहीं है मैंने आपके खेत से गेहूं के कुछ दाने खाए थे जैसे कीमत चुकाने के लिए मुझे अपना काम करना पड़ा था। भगवान श्री कृष्ण को आशीर्वाद दिया कि आपको कभी भी किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी आपका बिजनेस अच्छा चलेगा उसे भगवान से ज्यादा करने लगे थे। घर में कहानियाँ पढ़ने से हमारे जीवन में बहुत ज्यादा बदलाव रखते हैं तथा हमारे बच्चे को उधार पर कहानियाँ जरूर से जरूर पढ़नी चाहिए।

...शेष कल

संपादकीय

एआई का प्रभाव

विज्ञान के तीनों नोबेल पुरस्कारों की चर्चा इस बार आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) के जबर्दस्त प्रभाव के लिए हो रही है, हालांकि एआई और आर्टिफिशल न्यूरल नेटवर्क के नाम पर नोबेल सिर्फ भौतिकी में ही दिया गया है। रसायनशास्त्र के नोबेल का आधा हिस्सा गूगल डीपमाइंड के दो वैज्ञानिकों को मिला है, जिन्होंने एआई का इस्तेमाल करते हुए 20 करोड़, यानी लगभग सारे ही ज्ञात प्रोटीनों की संरचना खोलकर रख दी है। इसका बाकी हिस्सा भी कंप्यूटेशनल मॉडलिंग के जरिए ऐसे प्रोटीन तैयार करने के लिए दिया गया है, जो प्रकृति में नहीं पाए जाते। इससे दवा निर्माण के अलावा मैटीरियल साइंस में भी एक नई क्रांति आ सकती है। मेडिकल साइंस का नोबेल माइक्रो एआई की खोज और इसके कामकाज का खाका खींचने के लिए दिया गया है। शरीर के हर हिस्से की कोशिकाएं वहां मौजूद कोई खास प्रोटीन ही क्यों बनाती है, इसकी समझ इस लंबी रिसर्च के जरिये बनी है। यूं कहें कि यह भविष्य की मेडिकल साइंस की नींव रखने जैसा है।

जापानी भाषा में उनके लिए एक साझा नाम है– 'हिबाकुशा'। निहोन हिदान्क्यो हिबाकुशा लोगों का ही संगठन है और इसके सदस्यों की औसत उम्र 86 साल है।

अंडरग्राउंड सचाई

चंद्रभूषण।।

इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार जापान में एटम बमों से पीड़ित लोगों के संगठन निहोन हिदान्क्यो के लिए घोषित हुआ। जो लोग 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर गिरे अमेरिकी बमों के विस्फोट की सीधी जद में आए, वे तो भाप बन गए। लेकिन ऐसे बहुत सारे लोग, जो बमों की मार से काफी दूर थे, उन्होंने रेडियोधर्मी विकिरण का कहर झेला। देर–सबेर तमाम बीमारियां उन्हें पकड़ती रहीं। जापानी भाषा में उनके लिए एक साझा नाम है– 'हिबाकुशा'। निहोन हिदान्क्यो हिबाकुशा लोगों का ही संगठन है और इसके सदस्यों की औसत उम्र 86 साल है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जापान पर दस साल के लिए अमेरिका का कब्जा था और यह कब्जा हटने के बाद भी सालों–साल वहां अमेरिकी पिट्ठू ही राज करते रहे। नतीजा यह कि हिबाकुशा लोग एक तरह की अंडरग्राउंड सचाई बनकर रह गए। निहोन हिदान्क्यो न केवल उनके दुख सार्वजनिक करने का मंच बना, बल्कि समूचे जापान में लोकतांत्रिक साहस का बीज–संगठन भी बन गया।

इस संगठन की दमदारी का ही नतीजा है कि नोबेल मिलने के बाद इसके प्रतिनिधियों ने न तो अतिशय विनम्रता दिखाई, न ही टीवी पर आकर अच्छी–अच्छी बातें बोलीं। इसके बजाय वे खरा

बोलते ही दिखे। जैसे यह कि इस बार पीस नोबेल के वाजिब हकदार फलस्तीन के वे कार्यकर्ता हैं जो अपने खून सने बच्चों को छाती से लगाए माताओं के साथ बमबारी के बीच भी खड़े हैं। स्वाभाविक था कि इस्राइल ने उनकी निंदा की और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ऐसा बयान जारी किया कि दुनिया में युद्ध और एटमी खतरे के फैलाव को लेकर वे लगातार सजग हैं।

दक्षिण कोरिया की लेखिका हान कांग को मिले साहित्य के नोबेल का रिश्ता भी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ठेठ पूरब में बने तानाशाही वाले माहौल के साथ जुड़ता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जापानी फौजों के हटने के साथ ही कोरिया में गृहयुद्ध के बीज पड़ गए। 1953 में दोनों खेमों के बीच हुई संधि के तहत उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया का गठन हुआ। तब से लेकर 1990 तक दक्षिण कोरिया में तीन अमेरिका संरक्षित तानाशाहों का शासन चला– सिंगमान री, पार्क चुंग ही और चुन डू ह्वान। इनमें तीसरे वाले के उभार के दौरान ग्वांग्जू शहर में हुई कत्लोगारत ने लेखिका हान कांग का मानस रचा।

अतिशय संवेदनशील भाषा के लिए चर्चित हान कांग अपने काव्यात्मक गद्य की पैदाइश के लिए जिस घटना को जिम्मेदार बताती हैं, वह किसी आंदोलन में सीधी भागीदारी की नहीं है। वैसे भी, 1979 में ग्वांग्जू शहर में हुए छात्र उभार के समय वे वहां थीं जरूर, लेकिन उनकी उम्र तब सिर्फ आठ साल थी। यह एक संयोग ही था कि दमन की कुछ तस्वीरें उनके हाथ लग गईं, जो इतनी भयानक थीं कि कोई जानवर भी इंसान के साथ वैसा सलूक न करे। एक तस्वीर एक लड़की के चेहरे में भुंकी हुई संगीन की थी। हान कांग कहती हैं, ये तस्वीरें अगर वे सयानी उम्र में देखतीं तो शायद इस नतीजे पर पहुंचतीं कि पुलिस–फौज इतनी ही क्रूर संस्थाएं हैं। लेकिन सशस्त्र बलों के हमले में मारे गए युवा आंदोलनकारियों के कटे–फटे चेहरे जितने बचपने में उन्हें दिख गए, उससे उनके दिमाग में यह धारणा बनी कि इंसान अपने से कमजोर लोगों के प्रति इतना बेरहम हो सकता है! किस्से के रूप में यह हादसा उनके दो बाद के उपन्यासों 'ह्यूमन ऐक्ट्स' और 'वी डू नॉट पार्ट' में आता है, लेकिन उनका लेखकीय मन यहीं से बनना शुरू हुआ।

सूडोकू नवताल-5319

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -5318 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

अपना ब्लॉग

गुलामी से उपजी अमीरी

मोहन। अर्थशास्त्र के लिए स्वीडन के बजाय नॉर्वे की ओर से दिया जाने वाला नोबेल स्मृति पुरस्कार इस साल जिन तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को हासिल हुआ है, उनकी छवि इस सदी की शुरुआत से ही उपनिवेशवाद पर काम करने वाले अर्थशास्त्रियों की है। डैरन एसमोग्लू, साइमन जॉनसन और जेम्स ए. रॉबिंसन ने अपने लंबे शोध से इस धारणा का खंडन किया है कि राष्ट्रों की समृद्धि में अंतर उनकी भौगोलिक स्थिति और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से पैदा होता है। वे साबित करते हैं कि इस अंतर में मुख्य भूमिका औपनिवेशिक अतीत की है। यूरोपीय मुल्कों के लंबे राज का ही नतीजा है कि सत्रहवीं सदी तक दुनिया की सबसे अमीर समझी जाने वाली जगहें आज सबसे गरीब जगहों में गिनी जाती हैं और आगे भी उनकी नियति में कोई तब्दीली बहुत मुश्किल से ही आ पाएगी।

द साबरमी रिपोर्ट में सेंसर बोर्ड ने 11 जगह चलाई कैंची

गोधरा कांड पर बनी विक्रांत मैसी स्टारर द साबरमती रिपोर्ट सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। धीरज सरना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म लगातार चर्चा में है। 27 फरवरी 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगने की घटना को यह फिल्ध्म एक पत्रकार की नजरों से दिखाती है। यह फिल्ध्म ने अपने विषय और विक्रांत मैसी के लगातार बयानों के कारण खूब सुर्खियां बटोरी हैं। ताजा जानकारी ये है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने भी इस पर खूब कैंची चलाई है। बताया जाता है कि कि द साबरमती रिपोर्ट में 11 जगहों पर काट–छांट की गई है। द साबरमती रिपोर्ट को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने यू/ए सर्टिफिकेट देकर पास किया है। इसके साथ ही मेकर्स को रिलीज से पहले फिल्म में 11 जगहों पर संशोधन करने को कहा गया था। सेंसर बोर्ड ने जिन सीन्ध्स में बदलाव करवाए हैं, उनमें हिंसक दृश्यों को लगभग 40 प्रतिशत तक कम किया गया है। यही नहीं, फिल्म में अभद्र भाषा और गाली गलौज को भी हटाया गया। फिल्म में एक डायलॉग है, जहां ड्राइवर कहता है, श्सब मिलता है, ब्रांड बताइए, इसे बदला गया है। इसके साथ ही फिल्म की शुरुआत में अक्षय कुमार को दिखाने वाले पुराने स्वास्थ्य संबंधी विज्ञापन को भी अपडेट किया गया है।

बॉबी देओल का नहीं चला जादू, कंगुवा पहले दिन हिंदी में पस्त

सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी स्टारर कंगुवा उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है। रिलीज से पहले यह माना जा रहा था कि कॉलीवुड की ओर से यह टॉलीवुड की बाहुबली को जवाब है। लेकिन अफसोस कि पहले ही दिन फिल्म की कलई खुल गई है। शिवा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने तमिलनाडु में हालांकि बढ़िया बिजनस किया है। लेकिन हिंदी वर्जन में फिल्म की हालत बहुत अच्छी नहीं है। फिल्म में बॉबी देओल विलेन अवतार में नजर तो आ रहे हैं, लेकिन वह एनिमल वाला जादू फिर नहीं चला पाए हैं।
कंगुवा साल 2024 की कॉलीवुड की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली टॉप–5 फिल्मों की लिस्ट में जरूर शामिल हो गई है। इसने 31 अक्ध्टूबर को रिलीज अमरन की 21.40 करोड़ रुपये की कमाई को पछाड़ दिया है। रिलीज से पहले 10.16 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग करने वाली कंगुवा ने पहले दिन तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ मिलाकर कुल 22 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। कंगुवा की सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि धमाकेदार एक्शन के बावजूद इस फिल्म को नेगेटिव रिव्यूज मिले हैं। फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपये है। दर्शकों ने भी खुलकर कहा है कि फिल्म मनोरंजन करने से चूक गई है।

कुबेर टीजरः धनुष का अवतार खड़े कर देगा रोंगटे

धनुष, रश्मिका मंदाना और नागार्जुन की पैन इंडिया फिल्म कुबेर का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कुछ समय पहले ही मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज किया था, जिसके बाद से फैंस एक्साइटेड हो गए थे। अब टीजर ने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। श्कुबेरश् के टीजर में धनुष का अवतार हैरान कर देगा। उनका लुक ही रोंगटे खड़े कर देने वाला है। यह एक सोशल ड्रामा फिल्म है, जिसमें एक बेघर आदमी की कहानी दिखाई गई है। यह आदमी मुंबई की धारावी झुग्गियों में माफिया नेता बन जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्कुबेरश् में ध नुष ने डबल रोल प्ले किया है– एक बेघर आदमी का और दूसरा माफिया नेता का। कुबेर का टीजर देखकर फैंस फिदा हो गए हैं, और वो तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा है, लेजेंड धनुष सर, एक और कमेंट है, धनुष ने कमाल कर दिया। माइंड ब्लोइंग। एक अन्य फैन ने लिखा है, धनुष, इस पीढ़ी के बेस्ट एक्टर हैं। कुबेर को नेशनल अवॉर्ड विनर शेखर कमुल्ला ने डायरेक्ट किया है, जबकि सुरेश नारंग और पुष्कर राम मोहन राव ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में जिम सार्भ भी हैं। अभी फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

शायद मैं कल मर जाऊ, एक्टिव लाइफ के 10 साल बचे हैं

आमिर खान ने कहा है कि उनके पास एक्टिव होकर काम करने के लिए सिर्फ 10 साल बचे हैं। इसके बाद वह रिटायर होंगे। चूंकि, अब एक्टर के पास कम समय बचा है, इसलिए वह इस वक्त को बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल करना चाहते हैं। आमिर की पिछली रिलीज श्लाल सिंह चड्ढाश थी, जो साल 2022 में आई थी। यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही, जिसके बाद उन्होंने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था। हालांकि, आमिर अब श्सितारे जमीन परश फिल्म को लेकर चर्चा में हैं।

आमिर खान ने अपनी जिंदगी को लेकर कही बड़ी बात
आमिर खान ने कहा, मैंने अपनी जिंदगी में कभी भी एक साथ छह फिल्में नहीं कीं। इस बार, मेरे पास इसका अपनी वजह थी। जब मैंने आखिरकार फैसला किया कि मैं अभी फिल्में नहीं छोड़ूंगा, तो मन में अगला विचार आया कि यह शायद मेरे काम करने के सिर्फ 10 साल बाकी हैं।

जिंदगी पर भरोसा नहीं, हम कल मर सकते हैं
आमिर ने आगे कहा, आप जिंदगी पर भरोसा नहीं कर सकते, हम कल मर सकते हैं। मेरे पास लगभग 10 साल की एक्टिव जिंदगी बची है। मैं 59 साल का हूं। उम्मीद है कि जब तक मैं 70 साल का नहीं हो जाऊंगा, तब तक मैं इतना स्वस्थ रहूंगा कि काम कर सकूं। तो, फिर मैंने सोचा, मुझे अपने पिछले 10 वर्षों को सबसे अधिक प्रोडक्टिव बनाना चाहिए।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

70 साल में रिटायर होने से पहले
आमिर फिर बोले, जैसे–जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं उस टैलेंट को सपोर्ट करना चाहता हूं जिनमें मैं विश्वास करता हूं – लेखक, निर्देशक, सभी क्रिएटिव लोग। मैं 70 साल की उम्र में रिटायर होने से पहले उन टैलेंटेड लोगों के लिए एक प्लेटफॉर्म बनना चाहता हूं, जिन पर मुझे विश्वास है। इसलिए मैंने और फिल्में कीं।

जुनैद और आइरा नहीं होते तो
आमिर ने कहा कि अगर बेटे जुनैद और बेटी आइरा खान नहीं होते, तो वह फिल्में छोड़ चुका होता। आमिर ने फिल्मों से रिटायर होने का विचार साल 2022 में किया था, जब वह लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग कर रहे थे।

श्वेता तिवारी की बेटी पलक ने मालदीव में बढ़ाई गर्मी

पलक तिवारी अक्सर अपनी दिल दहलाने वाली फोटोज से हर किसी को दीवाना बनाती रहती हैं। लेकिन इस बार मालदीव की तस्वीरों से तो उन्होंने तहलका मचा दिया है। पलक तिवारी ने बिकिनी फोटोज में गजब की अदाएं दिखाई है। उनकी तस्वीरें भी वायरल हो गई हैं।

पलक तिवारी अपने खूबसूरत लुक से फैंस को इंप्रेस करने में कभी असफल नहीं होती हैं। हर बार जब श्वेता तिवारी की बेटी अपनी तस्वीरें ऑनलाइन शेयर करती हैं, तो वह सभी को सांसें रोक देती हैं। पलक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर मालदीव की अपनी हालिया तस्वीरें शेयर कीं। फोटोज में पलक ब्लैक बिकिनी में पोज देती नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने मैचिंग बॉटम और सारंग के साथ पेयर किया है। उनका फैशन गेम काफी हॉट लग रहा है। पलक ने एसेसरीज छोड़कर बिना मेकअप के फोटो पोस्ट किया है। उनके खुले बाल उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहे थे। अपने पोस्ट के कैप्शन में पलक ने लिखा– मेरा मालदीवियन स्वर्ग।

पलक तिवारी मालदीव वेकेशन
च्सां ज्पूंतप, श्वेता तिवारी की बेटी हैं। उन्होंने 2023 में सलमान खान की फिल्म श्किसी का भाई किसी की जानश से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म एक एक्शन–कॉमेडी थी और 2014 की तमिल फिल्म श्वीरमश की रीमेक थी। कास्ट में पूजा हेगड़े, वेंकटेश, भूमिका चावला, जगपति बाबू, विजेंदर सिंह, राघव जुयाल, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, शहनाज गिल, पलक तिवारी, विनाली भटनागर और सतीश कौशिक भी थे।

बेटी के लिए ये चाहती हैं श्वेता तिवारी
अपनी बेटी के बॉलीवुड में करियर बनाने की इच्छा के बारे में बोलते हुए पलक की मां, श्वेता ने पहले इंडिया टुडे से कहा था, श्मैं चाहती हूं कि वो स्टेज पर जाए और उसे अवॉर्ड मिले। मैं वहां बैठना चाहती हूं और मुझे पता है कि जब मैं उसे ऐसे देखूंगी तो मेरी आंखों में आंसू आ जाएंगे। यह मेरे लिए सबसे बड़ा एहसास होगा। श्वेता ने कहा कि वह चाहती हैं कि किसी दिन पलक को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिले।

पलक तिवारी की अगली फिल्म
इस बीच, वर्कफ्रंट पर, पलक तिवारी अगली बार साइंस–फिक्शन हॉरर–कॉमेडी श्द वर्जिन ट्रीश में दिखाई देंगी। फिल्म का निर्देशन सिद्धांत सचदेव ने किया है। संजय दत्त, सनी सिंह, मौनी रॉय, आसिफ खान और बेयॉनिक भी इसमें हैं।

बचपन से ही इन आदतों को अपनाने से बुढ़ापे तक रहेंगे स्वस्थ

यदि बचपन से ही हम कुछ अच्छी आदतों को अपनाएं तो कई बीमारियों को खुद से दूर रख सकते हैं। बचपन से ही इन आदतों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। संतुलित आहार, साफ सफाई, शारीरिक एक्टिविटीज, मेंटल हेल्थ और भरपूर नींद स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है।

स्वस्थ आहार

हमारे आहार पर हमारा पूरा जीवन आधारित होता है। हमेशा संतुलित आहार का ही सेवन करना चाहिए। आजकल जंक फूड का सेवन अधिक करने के कारण लोग कई बीमारियों से परेशान रहते हैं। ऐसे में संतुलित आहार का सेवन जरूरी है। हमारे शरीर के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्वों से भरपूर आहार खाएं। प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स, कार्बोहाइड्रेट और फाइबर सही मात्रा में खाएं। तला–भुना खाना, मीठा और जंक फूड खाने से बचें। फ्रूट्स और सब्जियां अपने आहार में जरूर शामिल करें। इससे आपकी इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगी और आप कई बीमारियों से बच पाएंगे।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त नींद अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर को ऊर्जा से भर देती है, जिससे आप अगले दिन सभी कार्य आसानी से कर पाते हैं। यदि आपकी नींद पूरी नहीं होती या नींद की क्वालिटी सही नहीं रहती तो आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों ही प्रभावित होता है। पर्याप्त नींद ना होने से मोटापा डिप्रेशन और हार्ट रोग जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कम से कम 7 से 8 घंटे की नींद लेने का प्रयास करें। सोने से पहले किसी भी डिजिटल उपकरण का इस्तेमाल न करें। इनका इस्तेमाल करने से आपकी नींद खराब होती है।

योग और एक्सरसाइज को बनाए हैबिट

यदि आप बचपन से ही शरीक रूप से एक्टिव रहते हैं तो शरीर स्ट्रांग और फ्लैक्सिबल बनता है। आपका वजन कंट्रोल में रहता है, जिससे हॉर्ट और फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं। इसके लिए आप वॉकिंग, साइकलिंग, रनिंग अपने दिनचर्या में शामिल करें। शारीरिक गतिविधि की कमी होने से मानसिक तनाव, डायबिटीज जैसी समस्या भी उत्पन्न होती है। यदि बचपन से ही आप व्यायाम को अपने दिनचर्या में शामिल करते हैं तो आप हमेशा स्वस्थ रहते हैं।

हाइजीन और स्वच्छता का ध्यान रखें

कई बीमारियां सिर्फ अनहाइजीनिक होने के कारण हो जाती हैं। साफ–सफाई और स्वच्छता रखने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। गंदगी से डायरिया और इन्फेक्शन जैसी बीमारियां जन्म लेती हैं। कोरोना वायरस जैसा संक्रमण रोकने के लिए भी हाइजीन ने काफी भूमिका निभाई बच्चों को हाथ धोने की आदत सिखाएं। रोज सुबह नहाएं और कोई भी कार्य करने से पहले हाथ जरूर धोएं। पब्लिक प्लेस में सैनिटाइजर और मास्क का इस्तेमाल जरूर करें। योगा और ध्यान करने से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार किया जा सकता है। बचपन से ही मेडिटेशन करने की आदत डालनी चाहिए।

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं सूरजमुखी के बीज, अभी से बना लें डाइट का हिस्सा

सूरजमुखी के बीज का सेवन पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है। हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम सबसे आवश्यक पोषक तत्व है। सूरजमुखी के बीज में भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है, जो हड्डियों की मजबूती और विकास के लिए आवश्यक कैल्शियम प्रदान करता है। हड्डियों के स्ट्रक्चर को बनाने के लिए मैग्नीशियम की आवश्यकता होती है। सूरजमुखी के बीज में मैग्नीशियम भरपूर होता है, जो कैल्शियम को ठीक से अब्जॉर्ब करने में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें फास्फोरस, विटामिन ई मौजूद होते हैं। यह हड्डियों की मजबूती और कोशिकाओं को किसी भी नुकसान से बचाते हैं। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है, जो हड्डियों में किसी भी प्रकार के सूजन को दूर करता है। सूरजमुखी के बीज का सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं। यह बोन मिनिरल डेंसिटी को नियंत्रित करता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस जैसे गंभीर रोगों से बचा जा सकता है। गठिया जैसे समस्या से राहत दिलाने में भी है सहायक है। बच्चों में हड्डियों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व सूरजमुखी के बीज मौजूद होते हैं। इसलिए बच्चों को इनका सेवन करना चाहिए। अगर हड्डियां मजबूत होती हैं तो उनके टूटने की संभावना भी कम होती है। वहीं इसका सेवन करने से हड्डियों को पर्याप्त पोषण मिलता है। सूरजमुखी के बीज का सेवन जॉइंट्स के फ्लैक्सिबिलिटी को मेंटेन करता है।

बच्चों के सिर पर लाल पपड़ीदार चकत्ते हो सकते हैं क्रैडल कैप

नवजात शिशु को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत है लेकिन कई बार कुछ ऐसी समस्याएं हो जाती हैं जो माता पिता की चिंता बढ़ा देते हैं। इन्हीं में से एक है क्रैडल कैप आमतौर पर बच्चों के पूरे शरीर के साथ उनके सिर की भी स्किन बहुत ही नरम मुलायम होती है लेकिन क्रैडल कैप की समस्या होने पर बच्चे के सिर की स्किन कठोर, पपड़ीदार और खुरदरी हो जाती है। हालांकि यह कोई गंभीर समस्या नहीं है और बहुत ही कम मामलों में इससे बच्चों को कोई परेशानी होती है। क्रैडल कैप को कई अलग अलग नामों से भी जाना जाता है जैसे क्रस्टा लैक्टिया, हनीकोंब डिजीज, मिल्क क्रस्ट, पीटीरायसिस कैपिटिस आदि। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार क्रैडल कैप में बच्चे का सिर एकदम चिकना दिखाई देने लगता है। इसमें बच्चे के सिर पर सफेद, पीला या गहरे रंग का पपड़ीतार पैच बन जाता है। कई बार पैच का रंग बच्चों के रंग के अनुसार होता है। समय के साथ यह पापड़ीदार चकत्ते उतरने लगते हैं। इसके अलावा कभी–कभी चक्कतों में हल्की लालिमा भी दिखाई पड़ती है। यदि घरेलू इलाज के बाद भी चकत्ते ठीक ना हो या फिर चकत्ते से पूरे शरीर में फैलने लगे तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यदि क्रैडल कैप की समस्या बढ़ जाती है तो आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है।

लीवर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं एलोवेरा, अश्वगंधा समेत ये जड़ी–बुटिया

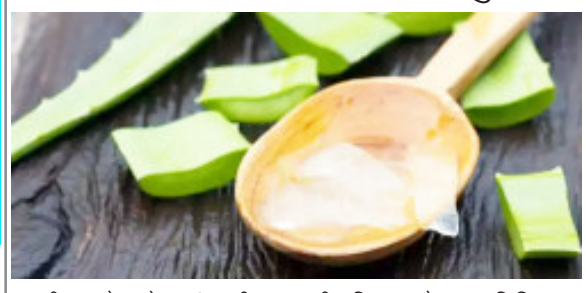

परमीत कौर, हेड एंड चीफ, न्यूट्रीशनिस्ट और डाइटिशियन, मोरिंगो एशिया अस्पताल, गुरुग्राम के अनुसार, लिवर को हेल्दी रखने के लिए और इसके डैमेज को कंट्रोल करने के लिए वैसे तो कई दवाएं उपलब्ध है लेकिन कुछ कारगर हर्ब्स की मदद से आप लिवर से जुड़ी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं और इससे लिवर स्वस्थ बना रहेगा। यह लोकप्रिय औषधीय पौधा एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है। इसके जेल का उपयोग कई तरह के स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में किया जाता है। यह लिवर फंक्शन को सुधारने और डिटॉक्सिफाई करने में सहायता करता है। इसके लिए रोजाना सुबह खाली पेट आधा चम्मच एलोवेरा जूस को एक गिलास पानी में मिक्स करके पीना लाभकारी हो सकता है। अश्वगंधा आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों में से एक है। अश्वगंधा का उपयोग शारीरिक शक्ति बढ़ाने, तनाव कम करने और लिवर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। इसमें एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स के प्रभार से लीवर को सुरक्षा प्रदान करते हैं। गुनगुने पानी या दूध के साथ अश्वगंधा चूर्ण का सेवन कर सकते हैं।

रोजाना रात को खुल जाती है नींद तो बदलाव हैं जिम्मेदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अगर अक्सर रात के 3 बजे या सुबह 5 बजे आपकी नींद खुल जाती है तो आप अकेले नहीं है जिसके साथ ऐसा हो रहा है। जी हां आपकी तरह ऐसे कई लोग हैं जिनके साथ ऐसा होता है। ठीक से नींद न पूरी होने के कारण दिन पर लो एनर्जी लेवल और चिड़चिड़ापन जैसी समायाएं बनी रहती है। जानकारों की मानें तो ऐसा होने के कई कारण हो सकते हैं खासतौर पर हार्मोन या ब्लैडर शुगर में उतार चढ़ाव। यहां हम आपको अचानक ऐसे नींद खुलने की कुछ वजह बताएंगे साथ ही इस समस्या से छुटकारा पाने का तरीका भी आप जान सकते हैं।

ब्लड शुगर लेवल में गिरावट और हार्मोन में कमी

हेल्थ राइटर और बायोहैकर डेव एसप्रे के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की अचानक इस तरह से नींद खुल जाती है तो यह ब्लड शुगर लेवल में गिरावट के कारण भी हो सकता है। डेव के का कहना है कि ब्लड शुगर में गिरावट आने की वजह से बॉडी स्ट्रेस केमिकल रिलीज करती है कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन। जबकि ये हार्मोन ब्लड शुगर लेवल को रेगुलेट करने के लिए लिवर और मांसपेशियों में मौजूद ग्लूकोज को रिलीज करने में मदद करते हैं, यह नींद में भी गड़बड़ी कर सकते हैं। डेव का मानना है कि सोने से पहले कुछ हल्के स्नैक्स का सेवन करना चाहिए जैसे कच्चा शहद, एमसीटी ऑयल आदि।

हाई कोर्टिसोल लेवल

अचानक नींद खुलने की दूसरी सबसे बड़ी वजह है हाई कोर्टिसोल लेवल जो लंबे समय से स्ट्रेस के कारण होता है। कोर्टिसोल जिसे

स्ट्रेस हार्मोन भी कहा जाता है, हमारे शरीर के ऊर्जा के स्तर को कंट्रोल करने में कई कार्य करता है। कोर्टिसोल के लेवल को बढ़ने से रोकने के लिए आप डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके अलावा मेडिटेशन और माइल्ड स्ट्रेच से भी आपको राहत मिल सकती है।

इंबैलेंस स्लीप साइकिल

रात के 3 बजे या सुबह 5 बजे नींद खुलने का कारण सर्केडियन रिदम भी हो सकता है। ट्रेडिशनल चाइनीज मेडिसिन के अनुसार 3 से 5 बजे के दौरान जब शरीर का रिपेयर और डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस होता है तो फेफड़े सबसे ज्यादा एक्टिव रहते हैं। हालांकि साइंस इसका समर्थन अब भी नहीं करता है। हेल्दी सर्केडियन रिदम को मेंटेन करने के लिए लगातार एक ही समय, पर सोना और उठना चाहिए। यह रूटीन वीकेंड्स पर फॉलो करना चाहिए।

एजिंग और हारमोंस में बदलाव

बढ़ती उम्र के साथ होने वाले हार्मोनल बदलाव के कारण भी अचानक नींद खुलने की परेशानी हो सकती है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है हमारा शरीर स्लीप हार्मोन मेलाटोनिन बहुत ही कम मात्रा में रिलीज करता है।

टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा का प्रदर्शन

2010 में चेतेश्वर पुराजा ने भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया था। अभी तक उन्होंने 103 मुकाबले खेले हैं। इसकी 176 पारियों में पुजारा के नाम 43.60 की औसत से 7195 रन हैं। टेस्ट में वह 19 शतक के साथ ही 35 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। भारत को ऑस्ट्रेलिया में मिली दो टेस्ट सीरीज जीत में पुजारा ने बल्ले से अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद भी उन्हें इस बार टीम में जगह नहीं मिली है।

चेतेश्वर पुजारा को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली एंट्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा काफी समय से बाहर चल रहे हैं। 36 साल के पुजारा ने पिछले साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के लिए आखिरी मैच खेला था। उसके बाद से फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। इसके बाद भी पुजारा टीम इंडिया में वापसी नहीं कर पाए। हाल में ही रणजी ट्रॉफी में उन्होंने छत्तीसगढ़ के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था। चेतेश्वर पुजारा को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया है। इसके बाद भी उनकी टूर्नामेंट में एंट्री हो गई है। वह कमेंटेटर के रूप में ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज का हिस्सा होंगे। टूर्नामेंट के लिए घोषित हिंदी कमेंट्री टीम में पुजारा का नाम भी शामिल है। यह पहला मौका होगा जब पुजारा कमेंट्री बॉक्स में नजर आएंगे। दिनेश कार्तिक भी पुजारा की तरह ही संन्यास लेने के पहले ही कमेंट्री शुरू कर दी थी। टेस्ट में चेतेश्वर पुराजा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 टेस्ट खेले हैं। इसमें उनकेन ाम 49 की औसत से 2074 रन है। इसमें 5 शतक और 11 फिफ्टी शामिल है।

थोड़ा कमजोर हो गया है जंगल का राजा

विराट कोहली के फॉर्म पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने कसा तंज

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव ओ कीफ चाहते हैं कि पैट कमिंस और अन्य कंगारू गेंदबाज आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली पर पूरी तरह हावी होकर खेले। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट खेला जाएगा। स्टीव ओ कीफ ने कहा, भारतीय टीम के पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जो मैच का पासा पलट सकते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम उन पर हावी होकर खेलेगी। रोहित शर्मा भले ही एक या दो टेस्ट नहीं खेले, लेकिन वह भारत के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलियाई हमेशा से मेहमान कप्तान पर हावी हुआ है। यह तकनीक ऑस्ट्रेलिया हमेशा से उपयोग करता आ रहा है और मुझे लगता है कि वो रोहित शर्मा पर पूरी तरह हावी होंगे। स्टीव ओ कीफ ने कहा कि वो आगामी

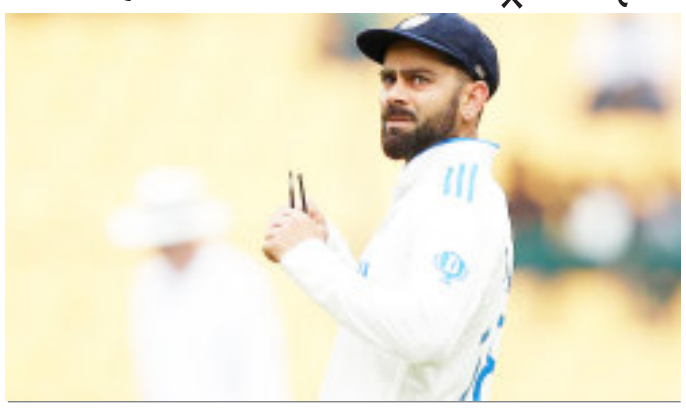

सीरीज में यह देखने को बेताब हैं कि विराट कोहली किस तरह खेलेंगे। बता दें कि कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में 13 टेस्ट में 54.08 की औसत से रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। 2020 से अब तक उनकी औसत 31.69 की रही, जिसमें 60 पारियों में दो शतक शामिल हैं।

स्टीव ओ कीफ ने कहा, कोहली ने सालों से ऑस्ट्रेलियाई टीम को परेशान किया। वो शानदार खिलाड़ी रहे हैं। मगर खेल में अगर आपको महसूस हो कि जंगल का राजा थोड़ा कमजोर हो गया है तो आप उसे परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। मैं देखने को बेताब हूं कि आगामी सीरीज में विराट कोहली कैसा प्रदर्शन करेंगे। यह उनके लिए निर्णायक सत्र भी हो सकता है। अगर उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया तो भारत सीरीज जीत जाएगा।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस टेस्ट को लेकर पहले से ही टेंशन में हैं। हाल ही में टीम इंडिया ने इंट्रा स्क्वाड मैच खेला था, जिसमें उसके कई स्टार बल्लेबाज फ्लॉप हुए थे। विराट कोहली महज 15 रन बनाकर आउट हुए थे। अब शुभमन गिल और कप्तान रोहित शर्मा का कंफर्म हो गया है कि दोनों पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में विराट कोहली के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी कि भारतीय पारी को संभाले और टीम को सफलता दिलाएं। देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय टीम किस तरह पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खूंखार गेंदबाजी आक्रमण का सामना करेगी।

टी20 सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान को मिला नया कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। इस दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में उसने जीत हासिल की थी। लेकिन टी20 सीरीज में उसे हार का सामना पड़ा है। तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मैचों में उसे हार मिली और इसी के साथ वह सीरीज गंवा बैठी। इसके बाद तीसरे टी20 मैच को लेकर पाकिस्तान टीम ने बड़ा फैसला किया है और इस दौरे से पहले कप्तान नियुक्त हुए मोहम्मद रिजवान को बाहर का रास्ता दिखाया है। रिजवान की कप्तानी में ही पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2–1 से मात दी थी। वहीं उम्मीद की जा रही था कि रिदजावन की कप्तानी

■तीसरे मैच में सलमान अली अगा को सौंपी गई कप्तानी

वाली पाकिस्तान टी20 सीरीज में भी जीत हासिल कर लेगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। टी20 में एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया ने उसे परेशान किया है और सीरीज जीत ली।

पाकिस्तान ने तीसरे टी20 मैच के लिए अपनी प्लेइंग–11 का एलान दो घंटे पहले ही कर दिया। इसमें एक हैरान करने वाली चीज देखने को मिली। प्लेइंग–11 में मोहम्मद रिजवान का नाम नहीं था। उनकी जगह सलमान अली अगा को टीम की कमान सौंपी गई है। रिजवान को टीम में भी जगह नहीं मिली। हालांकि बोर्ड ने अभी तक इस मामले को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है और न ही बताया है कि रिजवान को क्यों टीम से बाहर गिया गया। संभवतः ये फैसला रिजवान को आराम देने के लिहाज से लिया गया हो।इस मैच में जहानाबाद खान को टी20 डेब्यू करने का मौका मिला है। शाहीन शाह अफरीदी ने उन्हे डेब्यू कैप दी।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे के बाद पाकिस्तान को जिम्बाब्वे का दौरा करना है। इस दौरे पर भी टीम वनडे और टी20 सीरीज खेलेगी। इस दौरे के लिए भी टीम का एलान कर दिया गया है जिसमें मोहम्मद रिजवान को वनडे सीरीज में रखा गया है लेकिन टी20 से आराम दिया गया है। रिजवान की जगह सलमान टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं।

डग ब्रेसवेल पर लगा 1 महीने का बैन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर डग ब्रेसवेल को कोकीन इस्तेमाल करने की वजह से एक महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। 34 साल के डग को जनवरी 2024 में वेलिंगटन के खिलाफ सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के लिए एक घरेलू टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद कोकीन का सेवन करने के रूप में दोषी पाया गया। बता दें कि डग ब्रेसवेल कोकेन का नशा करके मैदान पर उतरे और उन्होंने गेंदबाजी के साथ ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर टीम को जीत दिलाई थी। दरअसल, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल को एक महीने का क्रिकेट से बैन किया गया। ये फैसला उनके कोकीन जांच में पॉजिटिव पाए जाने पर लिया गया। इसी साल जनवरी में एक घरेलू टी20 मुकाबला खेला था, जिसमें डग ने 4 ओवर में सिर्फ 21 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे।

न्यूज डायरी

रुतुराज गायकवाड़ का सपना टूटा, बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में नहीं मिलेगा मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला दुनिया की सबसे तेज पिच माने जाने वाली पर्थ में होगी। इस मैच से पहले टीम इंडिया के कई खिलाड़ी चोटिल हैं। नंबर तीन पर खेलने वाले शुभमन गिल का पहले मैच से बाहर रहना तय है। कप्तान रोहित शर्मा भी अभी तक भारत में ही हैं। ऐसे में उम्मीद थी कि इंडिया ए के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को ऑस्ट्रेलिया में ही रोक लिया जाएगा। इंडिया ए की टीम दो अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेलने ऑस्ट्रेलिया गई थी। रुतुराज गायकवाड़ उस टीम के कप्तान थे। रुतुराज ने प्रैक्टिस मैच में भी हिस्सा लिया था। रिपोर्ट्स की मानें तो वाका के मैदान पर उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की थी। तेज गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से शॉट खेले थे। इसके बाद कहा जा रहा था कि उन्हें टेस्ट सीरीज में मौका मिल सकता है। लेकिन इंडिया ए के अन्य खिलाड़ियों के साथ वह भारत लौट आए हैं। रुतुराज के साथ साई सुदर्शन की भी वापसी हो गई है। रुतुराज गायकवाड़ को टेस्ट में भारतीय टीम के बैकअप ओपनर के रूप में देखा जा रहा था। इसी वजह से उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की टीम में जगह नहीं मिली। उस दौरान रुतुराज ईरानी कप में खेल रहे थे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित हुई टीम में उन्हें शामिल नहीं किया गया। अभिमन्यु ईश्वरन बैकअप ओपनर के रूप में ऑस्ट्रेलिया गए हैं। अब रुतुराज को ऑस्ट्रेलिया में रोका भी नहीं गया है।

टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को दिल्ली हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर को सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेशन कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है जिसमें गंभीर के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले को दोबारा से खोलने का आदेश दिया था। इस फैसले के खिलाफ गंभीर ने हाई कोर्ट का रुख किया था। जिसमें उन्हें राहत मिली है। न्यायधीश मनोज कुमार ओहरी ने मामले पर रोक लगाते हुए कहा कि इस केस में डिटेल ऑर्डर जल्द ही जारी किया जाएगा उन्होंने कहा, ष्मैं आदेश दूंगा। तब तक याचिकाकर्ता के खिलाफ जो फैसला बहस के लिए लाया गया है उस पर स्टे रहेगा। मैं डिटेल ऑर्डर बाद में दूंगा। इस मामले में रुद्रा बिल्जवेल रियाल्टी, एचआर इंफ्रासिटी और यूएम आर्किटेक्टर एंड कॉन्ट्रैक्टर्स नाम की तीन पार्टियां शामिल हैं जिन्होंने सेरा बेल्ला 2011 हाउसिंग प्रोजेक्ट का प्रचार–प्रसार किया था। गंभीर रुद्रा कंपनी के अतिरिक्त निदेशक होने के अलावा इस प्रोजेक्ट के ब्रांड एंबेस्डर भी थे। जब मकान खरीदने वालों ने प्रोजेक्ट में कोई बढ़ोत्तरी नहीं देखी और जब उन्हें पता चला कि इसे लेकर मुकदमा चल रहा है, तो उन्होंने धोखाधड़ी का केस लगा दिया। ट्रायल कोर्ट ने साल 2020 में प्राथमिकी के आधार पर तीन लोगों और दो कंपनियों को इसमें आरोपी पाया। बाकी लोगों को आरोपों से मुक्त कर दिया जिसमें गंभीर का नाम भी शामिल है।

बाबर आजम के निशाने पर क्रिस गेल का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के बेहतरीन बल्लेबाज बाबर आजम टी20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करने की दहलीज पर खड़े हैं। बाबर ये काम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज खेले जाने वाले तीसरे और अंतिम टी20 मैच में कर सकते हैं। इस रिकॉर्ड पर अभी वेस्टइंडीज के तूफानी बल्लेबाज क्रिस गेल का कब्जा है। गेल के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 11,000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। बाबर इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर सकते हैं। गेल ने दिसंबर 2017 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग में खेलते हुए ये रिकॉर्ड अपने नाम किया था जिसके लिए उन्होंने 314 पारियां ली थीं। बाबर को ये रिकॉर्ड अपने नाम करने के लिए सिर्फ 52 रनों की जरूरत है। वह ये काम आज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होबार्ट में खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी टी20 मैच में कर सकते हैं। बाबर ने 306 मैचों की 295 पारियों में अभी तक 10, 948 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 43.61 का और स्ट्राइक रेट 129.30 का रहा है। बाबर के नाम पहले से ही टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 7000, 9000 और 10,000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। इसी के साथ बाबर टी20 में 11,000 रन बनाने वाले दुनिया के कुल 11वें बल्लेबाज बन जाएंगे।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 पेज 8

स्वामी चिदानन्द सरस्वती से आचार्य बालकृष्ण भेंट वार्ता करते हुए।

विकास कार्यों की गुणवत्ता का रखा जाए विशेष ध्यान

बैठक

■ शहरी विकास मंत्री ने उधमसिंह नगर जिला विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ की बैठक

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के शहरी विकास मंत्री डॉ. प्रेम चन्द अग्रवाल ने विधानसभा स्थित सभागार कक्ष में उधमसिंह नगर जिला विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश भर के प्राधिकरणों की समय–समय पर समीक्षा बैठकें की जाती रही हैं जिसमें सोमवार को उधमसिंह नगर जिला विकास प्राधिकरण के अंतर्गत किये जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि किच्छा में लगभग 09 करोड़ 63 लाख रूपये में बस अड्डे का निर्माण किया जा रहा है जबकि खटीमा में लगभग 08 करोड़ 27 लाख रूपये में बस अड्डा लगभग पूर्ण होने की कगार पर है वहीं काशीपुर में पन्त पार्क का निर्माण भी लगभग पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही खटीमा में लगभग 25 लाख रूपये के दीनदयाल पार्क का निर्माण कार्य भी पूर्ण हो चुका है। खटीमा में लगभग 01 करोड़ रूपये से निर्मित कुष्ठ आश्रम का कार्य भी पूर्ण हो चुका है।

आवास विकास मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास विकास योजना के अंतर्गत 1872 ईडब्ल्यूएस आवासों को 31 मार्च 2025 तक पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि रूद्रपुर में लगभग 51 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले ट्रांसपोर्ट नगर को विकसित किये जाने हेतु 46 एकड़ भूमि उपलब्ध करायी गई है जिसपर कार्ययोजना तैयार की जा रही है तथा जल्द ही इस पर कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि आवास विकास विभाग द्वारा दो प्रकार के नक्शों की स्वीकृति प्रदान की जाती है जिसमें आवासीय भवनों हेतु 15 दिन तथा व्यावसायिक भवनों के नक्शों को 01 माह के अन्दर स्वीकृति प्रदान की जाती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नक्शों पर एक ही बार में आपत्तियां लगाई जाएं तथा उपभोक्ताओं को किसी भी तरह से अनावश्यक परेशान न किया जाए।

मंत्री ने कहा कि उधमसिंह नगर जिला विकास प्राधिकरण के अन्तर्गत काफी समय से स्टाफ की कमी बनी हुई थी वर्तमान में जेई की 07 नियुक्तियां उधमसिंह नगर जिला विकास प्राधिकरण में की गई हैं जिससे विकास कार्यों में तेजी के साथ–साथ पारदर्शिता भी बनी रहेगी। मंत्री ने कुछ नये विकास कार्यों जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में वेयरहाउस निर्माण, रूद्रपुर में रोड बाईडिंग का कार्य, नगर निकाय क्षेत्रों में पार्कों के सौन्दर्यीकरण आदि के लिए भी अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। आवास विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्यों को ससमय पूर्ण किया जाए।

कांग्रेस ने दून की समस्याओं को लेकर नगर निगम को घेरा

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस ने सोमवार को दून शहर की समस्याओं को लेकर नगर निगम का घेराव किया। इस दौरान मलिन बस्तियों के साथ ही शहर की सड़कों, साफ–सफाई, खराब स्ट्रीट लाइट को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के साथ ही सरकार पर निशाना साधा। इन समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी भेजा। नगर निगम घेराव के लिए कांग्रेस मुख्यालय में 11 बजे से ही पार्टी नेताओं के साथ कार्यकर्ता जुटने लगे थे। यहां कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं के सामने एक–एक मुद्दे को रखा और उसके बाद नगर निगम के लिए कूच किया। कांग्रेस के कूच को देखते हुए नगर निगम में काफी पुलिस फोर्स तैनात किया गया था। जहां पुलिस ने उन्हें रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस नगर आयुक्त कार्यालय के बाहर तक जा पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। यहां कांग्रेस प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार की अनदेखी की वजह से कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरने का मजबूर हुआ है।

डीएम का सख्त एक्शन, 47 वार्डो में कूड़ा उठान को निविदा आमंत्रित

निर्देश

■ कई दौर की समीक्षा, पर्याप्त समय दिए जाने के बाद डीएम ने उठाया सख्त कदम

संवाददाता

देहरादून। शहर में कूड़ा उठान की लचर व्यवस्था पर प्रदर्शन में सुधार हेतु दी गई समयावधि में कुछ खास सुधार न किये जाने पर जिलाधिकारीध्प्रशासक सविन बसंल के निर्देश पर नगर निगम देहरादून अन्तर्गत 47 वार्डो से डोर–टू–डोर कूडा उठान हेतु निविदाएं आमंत्रित कर दी गई हैं, शीघ्र ही 26 अन्य वार्डों से डोर–टू–डोर कूड़ा उठान हेतु निविदा आमंत्रित कर दी जाएगी।

नगर निगम के 47 वार्डो से डोर–टू–डोर कूड़ा उठान का कार्य वाटरग्रेस कम्पनी देख रही है तथा 26 वार्डो में कूड़ा उठान का कार्य इकोनवेस्ट मैनेजमेंट के पास है। लम्बे से समय से डोर–टू–डोर कूड़ा उठान की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, जिलाधिकारी सविन बंसल ने जिलाधिकारी देहरादून एवं प्रशासक का पदभार ग्रहण करने ही शहर की डोर–टू–डोर कूड़ा उठान एवं सफाई व्यवस्था पर सख्त रूख अपनाएं हुए है। इन कम्पनियों पर मानक के अनुसार कूड़ा उठान कार्य न करने पर भारी भरकम अर्थदण्ड की कार्यवाही भी की गई हैं, किन्तु इसके इतर कम्पनी द्वारा अपने प्रदर्शन में सुधार नही किया गया तथा आए दिन जनमानस की शिकायतें मिलती रही, जिस पर जिलाधिकारी ने सख्त कदम उठाते हुए इन कार्यों हेतु निविदा के माध्यम से नई कम्पनियों को आमंत्रित किया है।

वाटरग्रेस कम्पनी तथा इकोनवेस्ट मैनेजमेंट से वापस लिया जा रहा है डोर–टू–डोर कूड़ा कलैक्शन का कार्य। दोनो ही कम्पनियों की मिल रही हैं शिकायतें, इनके क्षेत्रों में पटरी पर ही आ रही थी कूड़ा उठान व्यवस्था, वाहन समय पर ना आना तथा नियमित कूड़ा उठान न करने की मिल रही थी नियमित शिकायतें कई बार पेनल्टी एवं चेतावनी के बाद भी नही सुधार पाए कूड़ा कलेक्शन का प्रदर्शन, कर्मचारियों की ड्रेस, आईडी कार्ड एवं वाहनों की फिटनेस पर भी नगर निगम से कई बार की गई अर्थदण्ड की कार्यवाही तथा चेतावनी के बाद भी नही हुआ सुधार।

ऋषिकेश नगर निगम ने दिखाई प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन की राह

संवाददाता देहरादून। प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन, हमारे शहरी जीवन के सामने एक चुनौती बनकर उभर रहा है। ऐसे में ऋषिकेश नगर निगम ने प्लास्टिक कूड़े का प्रबंधन कर नगर निकायों के सामने उदाहरण पेश किया है। नगर निगम प्लास्टिक कूड़े को ना सिर्फ सफलता पूर्वक एकत्रित कर रहा है, बल्कि इसे रीसाइकिल के जरिए फिर कई तरह से इस्तेमाल भी कर रहा है। नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी की पहल पर इसके लिए ऋषिकेश नगर निगम ने सबसे पहले आईएसबीटी, त्रिवेणी घाट और वीरभद्र में प्लास्टिक बैंक की स्थापना की, प्लास्टिक बैंक के बॉक्स बनाने के लिए पुरानी प्लास्टिक बोतलों को ही इस्तेमाल किया गया। जिसमें लोग खुद खाली बोतलें या अन्य प्लास्टिक कचरा डालते हैं, इन प्लास्टिक बैंक से अब तक करीब 400 किलो तक प्लास्टिक रीसायकल हो चुका है। इस प्रयोग की सफलता को देखते हुए नगर निगम अब नटराज, ट्रांजिट कैंप, रेलवे स्टेशन में भी प्लास्टिक बैंक स्थापित करने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बिना प्रोटोकॉल–बिना सुरक्षा के गैरसैण पहुंचे सीएम धामी

संवाददाता देहरादून। गैरसैण का यह दौरा बिना किसी सरकारी कार्यक्रम या विधानसभा सत्र के, इस बात का प्रतीक है कि मुख्यमंत्री धामी प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों को लेकर न केवल सजग हैं, बल्कि उन्हें प्राथमिकता भी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव प्रचार के विभिन्न कार्यक्रमों और जनसंवाद के बाद बिना किसी प्रोटोकॉल व सुरक्षा के अचानक गैरसैंण पहुंच गए। मुख्यमंत्री के इस अप्रत्याशित आगमन की खबर जैसे ही गैरसैंण के अधिकारियों को मिली, वे हैरान रह गए। यह इसलिए भी खास है क्योंकि राज्य गठन के बाद से अब तक किसी मुख्यमंत्री ने इस तरह बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम या सूचना के गैरसैंण का दौरा नहीं किया।

जल संस्थान को सौंपी जाएं पेयजल योजनाओं के संचालन का काम

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड जल संस्थान कर्मचारी संगठन ने सोमवार को जल भवन नेहरू कालोनी में मुख्य महाप्रबंधक से वार्ता में शहरी विकास की उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी के बढ़ते दखल पर नाराजगी जताई। तत्काल निर्माण पूरा होने के बाद योजनाओं को जल संस्थान को हैंडओवर किए जाने की मांग की। जल संस्थान मैनेजमेंट के साथ वार्ता में अध्यक्ष संजय जोशी ने कहा कि पेयजल एक्ट में साफ है कि पेयजल और सीवरेज योजनाओं का संचालन जल संस्थान को ही करना है।

86 होनहारों को नवाजेंगे राज्यपाल

संवाददाता ऋषिकेश। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय का आज पांचवां दीक्षांत समारोह का आयोजित किया जाएगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिहं धामी और शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत भी शिकरत करेंगे। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2022–23 के 21,230 छात्र–छात्राओं को उपाधि प्रदान की जाएगी। जबकि, 86 छात्र–छात्राओं को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

700 रूपए प्रति कुंतल किया जाए गन्ना मूल्य

संवाददाता ऋषिकेश। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर उत्तराखंड किसान एकता मंच ने नाराजगी जताई है। गन्ना मंत्री को ज्ञापन भेज गन्ना मूल्य 700 रुपये प्रति कुंतल करने सहित अन्य समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। सोमवार को उत्तराखंड किसान एकता मंच ने ज्येष्ठ गन्ना विकास परिषद के माध्यम से गन्ना मंत्री सौरभ बहुगुणा को ज्ञापन भेजा। मंच के महासचिव दरपान बोरा ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के किसानों के समक्ष कई समस्याएं व्याप्त हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।